बाल कविता

चलो चलें पढ़ने स्कूल

चूहा बोला चूहिया से
चलो चलें पढ़ने स्कूल।
अनपढ़ बन कर रहना
हमको नहीं अब कबूल।

पढ़ लिख कर हम भी
बड़े अफसर बन जाएंगे।
चोरी कर के खाना पीना
सब अपने छुट जाएंगे।

पढ़ लिख कर हम दोनों
दौलत खूब कमाएंगे।
अपने बाल बच्चों को
बड़ा आदमी बनाएंगे।

सुन चूहे की बात
चूहिया हुई मगन।
नाम लिखा कर स्कूल में
पढ़ने लिखने में लगाया मन।

पढ़ लिख कर चूहे चूहिया
सरकारी नौकरी पाए।
इन दोनों के जीवन में

खुशहाली भर आए।

चूहिया बनी डाक्टरनी
चूहा बन गया प्रोफेसर।
नौकरी पा कर दोनों ने
अपना बनाया आलीशान घर।

बद्री प्रसाद वर्मा अनजान